शोध-सारांश

महाराष्ट्र के विदर्भ और मराठवाड़ा के शुष्क क्षेत्रों में कृषि संकट ने पिछले कई सालों से किसान-आत्महत्याओं की संख्या में बढ़ोतरी की है सरकार द्वारा दी गई गलत कृषि नीति, न्यूनतम समर्थन मूल्यों की कमी, कमजोर नेतृत्व, तर्क संगत जल नीति की कमी, अपर्याप्त सिंचाई-व्यवस्था की कमी, कीमती अनुवांशिक रूप से संशोधित कपास-बीज, उर्वरक और कीटनाशकों जैसे निवेश की बढ़ती लागत, खेतों से बिजली संयंत्रों और उद्योगों, सिंचाई के क्षेत्रों में परिवर्तन, ख़राब फसल बीमा पालिसी, बिचौलिए, बाजार समिति की हार, किसानों के घरेलू आर्थिक-प्रबंधन इत्यादि अनेक कारणों से किसानों की आत्महत्या की संख्या में बढोतरी हुई है।

इसी सम्बन्ध में आत्महत्या प्रभावित परिवारों के नवयुवाओं की स्थिति को बेहतर बनाने की दृष्टि से 'अग्रिन्ड्स' संस्था कार्य कर है जिसका उद्देश्य कृषि को संभावित, व्यवहारिक और सम्मानजनक बनाना अर्थात युवकों के लिए किसानी को आकर्षक बनाना, आर्थिक स्थिति को सुधारना, साथ-साथ ही गाँव के किसानों की आर्थिक स्थिति को भी सुदृढ़ बनाना है।

नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार किसान आत्महत्या के श्रेणी में वे किसान आते हैं जिनके पास अपनी मिल्कियत की जमीन हो, आत्महत्या करते वक़्त किसान कर्जदार रहा हो और कर्जदारी ही उसकी आत्महत्या का प्रधान कारण हो। उसी परिवार के नवयुवा जिनकी उम्र 18 -35 साल हो, प्रस्तुत शोध में इन्हें ही आत्महत्या ग्रस्त परिवार के नवयुवा कहा गया है।

प्रस्तुत शोध का शीर्षक "किसान आत्महत्या प्रभावित परिवार के नवयुवाओं की स्थिति: 'अग्रिण्डस' वर्धा के विद्यार्थियों का वैयक्तिक अध्ययन (केस स्टडी)"| प्रस्तुत शोध में 'अग्रिण्डस' द्वारा किसान आत्महत्या प्रभावित परिवार के नवयुवाओं के लिए किये जाने वाले कार्यों का विस्तृत अध्ययन किया गया है। नवयुवाओं के जीवन से सम्बंधित घटनाओं तथा समस्याओं का भी विस्तृत अध्ययन किया गया है तत्पश्चात उसके आवश्यक विकास के लिए उपयुक्त सुझाव देने का भी प्रयास किया गया है। चूँकि यह अध्ययन पूर्णतः व्यक्ति पर आधारित है इस दृष्टि से इस शोध को करने के लिए गुणात्मक प्रविधि का उपयोग किया गया तथा शोध के उद्देश्यों के आधार पर अंशतः यह निदानात्मक शोध स्वरूप में आता है।

प्रस्तुत शोध में किसान आत्महत्या प्रभावित परिवार के नवयुवाओं की स्थिति : 'अग्रिण्डस' वर्धा के विद्यार्थियों का वैयक्तिक अध्ययन किया गया है। जिसके अंतर्गत नवयुवाओं के परिवार में किसान आत्महत्या होने के बाद उनकी

सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक और राजनीतिक स्थिति के साथ-साथ होने वाली समस्याओं और उसको प्रभावित करने वाले कारकों के पहलुओं को भी शामिल किया गया है।

अध्ययन से प्राप्त तथ्यों के आधार पर यह कहा जा सकता है कि किसान आत्महत्या प्रभावित परिवार के नवयुवाओं की स्थिति बिल्कुल भी सामान्य नहीं है। ऐसे परिवार के नवयुवा आज भी आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक और राजनीतिक तंगी के शिकार है। आत्महत्या प्रभावित क्षेत्रों में अब विस्थापन जैसी समस्याएं भी बढ़ने लगी हैं लोग अपनी ज़मीन अपना घर कृषि का उचित मूल्य ना मिल पाने के कारण छोड़ रहे हैं और नगरों के करीब रोजगार की तलाश में जा बसे हैं जिससे शहरों में भी मलिन बस्तियां बढ़ती जा रही हैं अंततः शहरी और नगरीय दोनों जगहों के जनजीवन प्रभावित हो रहे हैं। अग्रिन्ड्स' संस्था किसान आत्महत्या प्रभावित परिवार के नवयुवाओं के लिए मुफ्त रहना और खाना मुहैया करा रही है।'अग्रिन्ड्स' संस्था किसान आत्महत्या प्रभावित परिवार के बच्चों के किसी प्रकार की शैक्षिक शिक्षा, प्रतिस्पर्धात्मक परीक्षाओं के लिए मार्गदर्शन, कम्बल, अनुदान, सरकारी योजनाओं की जानकारी और आत्महत्या कर चुके विधवाओं के लिए किसी प्रकार की सहायता प्रदान नहीं करता है।

किसान आत्महत्या प्रभावित परिवार के नवयुवाओं अग्रिन्ड्स संस्था में आने के बाद वे दिनचर्या के गतिविधियों का नियोजन करना, समूह में काम करने के तरीके और उनके सोचने समझने के तरीके में भी परिवर्तन आ गया है। समूह में कैसे काम किया जाता है यह सीखा है। संस्था में आने के बाद किसान आत्महत्या प्रभावित परिवार के नवयुवाओं के व्यक्तित्व में काफी सकारात्मक बदलाव आया है।

RESEARCH SUMMARY

Agricultural crisis in the small areas of Vidarbha and Marathwada in Maharashtra state has increased the number of farmers' suicides for the past several years, due to the wrong agricultural policy given by the government, the lack of minimum support prices, weak leadership, lack of reasonable water policy, inadequate The lack of irrigation system, the costly investment of valuable genetically modified cotton seeds, fertilizers and pesticides, The number of farmers' suicides has increased due to various factors like power plants and industries, changes in irrigation areas, bad crop insurance policy, loss of market committee, domestic economic management of farmers, and so on.

In this regard, Agreeds organization is working in order to improve the status of the young people of the suicidal families, whose purpose is to make agriculture potential, practical and honorable, to make cultivation attractive to the youth, to improve the economic condition, together It is also to strengthen the financial condition of the farmers of the village.

According to the National Crime Record Bureau, farmers come under suicidal issues, who have land of their own property, while the farmer has been a debtor while committing suicide, and debtor is the prime cause of his suicide. The young man of the same family, whose age is 18-35 years, has been called the Navuva of a suicidal family in research.

The title of the research presented that "The situation of the young people of the farmer's suicide family: 'Personal study of students of' Aggrends Wardha" . In the research presented, Aggrends has carried out a detailed study of the work done for the young people of the affected families. Extensive study of events and problems related to the lives of the young people has also been studied and after that efforts have also been made to give appropriate suggestions for its necessary development. Since this study is entirely based on a person, qualitative techniques were used to do this research in this context, and partly on the basis of

research, it comes in diagnostic research format.
In the research presented, the status of the young people of the affected family of suicides: Personal study of students of Agundas Wardha has been done. Under which the families of young people have been involved in the issues of factors that affect their socio-economic, educational and political status as well as factors affecting the farmer after suicides.

Based on the facts received from the study, it can be said that the situation of the young people of the farming suicidal family is not normal at all. The young man of such a family is still a victim of economic, social, educational and political crises.
In the suicide-affected areas, problems like displacement have also started to increase. People are leaving their homes due to not getting the proper value of agriculture, and towns are in search of employment, so that the slums are increasing in cities too. Ultimately, the lives of both urban and urban areas are being affected. Agrind organization is providing free and safe food for the newly born youth of the affected family.Aggrands Institute provides guidance for any type of educational education, competitive examinations of children of the affected families, blankets, subsidies, government schemes Information does not provide any assistance for widows or suicide victims.

After coming into the newly-born Agrinds' institution of the farmer's suicide-affected family, they have also changed the way in planning the routine activities, ways of working in the group and ways of understanding their thinking. Learn how it works in the group. After coming into the institution, there has been a very positive change in the personality of the young man of the farmer's suicide-affected family.